NEW ERA PUBLIC SCHOOL
(2021-22)

SUBJECT: HINDI A/B   CLASS: 6th

SOLVED ASSIGNMENT FOR UNIT-I

पाठ-1
तुमसे मैं कभी विलग न होऊँ

शब्द ज्ञान

उपहास - मज़ाक, समस्त - सारे, व्याप्त - फैलाव, अशांत - शांति रहित, प्रतिदिन - हर रोज, चरण-धूलि - पैरों की धूल, विलग - अलग, विचलित - डरना, लालसाओं - इच्छाओं, बाती - ज्योति, अहंकार - घमंड, अंतर - हृदय, सबल - ताकतवर, नित्य - हमेशा, विपदाएँ - मुसीबतें।

मौखिक

1. पहली पंक्ति में प्रभु से क्या प्रार्थना की गई है?

उ०: पहली पंक्ति में प्रभु से अशांत मन को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की गई है।

2. विपदाओं में कवयित्री प्रभु से क्या करने के लिए कह रही है?

उ० विपदाओं में कवयित्री प्रभु से प्रतिदिन की लालसाओं से बचाने के लिए कह रही है।

3. प्रभु कहाँ व्याप्त है ?
उ० प्रभु हर जगह व्याप्त है ।

लिखित :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
1, कविता में ईश्वर से कौन-कौन सी प्रार्थनाएँ की गई है ?
उ० कविता में ईश्वर से कवयित्री ने अशांत मन को शांति प्रदान करने, प्रतिदिन की लालसाओं से बचने तथा विचलित मन में प्रेम की बाती जलाकर प्रेम के योग्य बनाने की प्रार्थना की गई है।
2. कविता की अंतिम पंक्तियों में कवयित्री ने कौन-सी अभिलाषा प्रकट की है ?
उ० कविता की अंतिम पंक्तियों में कवयित्री ने प्रभु से यह अभिलाषा प्रकट की है कि चरणों-धूलि का तिलक लगाकर कभी भी प्रभु अलग न होऊँ।

रिक्त स्थान भरिए :
क, समस्त भुवन मे व्याप्त हो फिर भी,
मैं तुमको पहचान न पाई ।
नित्य नए रूपों में आकर,
मुग्धा मुँदे नयनों में आकर,
मेरे अंतर में बस जाओ ।
मुझसे तुम यूँ मुख न मोड़ो,

ख, हे प्रभु ! मेरे अशांत मन को
शांति प्रदान करो,
प्रतिदिन की लालसाओं से
मुझे बचाओ।
विचलित मन में जला प्रेम की बाती,
मुझे अपने मिलन के योग्य बनाओ।

3. निम्नलिखित पंक्तियों के आधार पर पूछे गए
प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
अंधकार में डूबी हूँ मैं,
मेरा अंतर तुम चमकाओ।
विपदाओं से विचलित न होऊँ,
इतना मुझे सबल बनाओ।
क, प्रार्थना कौन कर रहा है ?
उ० : प्रार्थना कवयित्री कर रही है।
ख, 'अंतर' शब्द का अर्थ है ?
उ० : 'अंतर' शब्द का अर्थ हृदय है।
ग, कवयित्री सबल क्यों बनना चाहती है ?
उ० : कवयित्री सबल इसलिए बनना चाहती है
ताकि वह विपदाओं से विचलित न हो।
घ, आप विपदा आने पर क्या करते हैं।
उ० : विपदा आने पर हम उनका डट कर
सामना करता है।

Scanned with CamScanner

1. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखे:

क, शान्त- अशांत   घ, सबल - कमजोर

ख, दिन - रात   ङ, योग्य - अयोग्य

ग, प्रेम - नफरत

२. नीचे दिए गए शब्दों के प्रयायवाची शब्द लिखिए :

क, दुनिया - जग, जगत   ग, नयन - आँख, लोचन

ख, अंतर - हृदय, मन

3. नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :

क, विचलित :- डरना = दुखों से कभी भी डरना नहीं।

ख, उपहास - मजाक = कभी किसी का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

ग, अंतर - हृदय = हर किसी के हृदय में भगवान है।

घ, विपदा - मुसीबत = राजू की माँ पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा।

ङ, अहंकार - घमंड = मैं कभी भी घमंड नहीं करती हूँ।

Scanned with CamScanner

पाठ - 2
शरणागत

शब्द ज्ञान

दूषित - गंदा, कुपित - नाराज़, बीहड़ - घना जंगल, ज्वरग्रस्त - बुखार से पीड़ित, बसेरा - रहने के लिए जगह, सरोकार - मतलब, लठैत - लाठी चलाने वाला, राहगीर - रास्ते में चलने वाला, आगंतुक - आने वाला, घृणा - नफरत, व्यवसाय - पेशा, लोकमत - लोगों की राय, सपत्नीक - पत्नी सहित, कंठ - गला।

मौखिक

1. रज्जब कहाँ से लौट रहा था?

उ॰: रज्जब अपना रोज़गार करके ललितपुर से लौट रहा था।

2. रज्जब ने क्या निर्णय लिया?

उ॰: रज्जब ने मड़पुरा नामक गाँव में ठहर जाने का निर्णय लिया।

3. रज्जब की पत्नी को क्या हुआ था?

उ॰: रज्जब की पत्नी को ज्वर हुआ था।

लिखित:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए;

1. रज्जब को उसके जानकारों ने रात-भर बसेरे के लिए इन्कार क्यों किया?

Scanned with CamScanner

उ० : रज्जब को उसके जानकारों ने रात-भर बसेरे के लिए इसलिए इन्कार किया क्योंकि पेशे से वह एक कसाई था।

२. गरीब ठाकुर ने रज्जब को क्यों ठहराया?

उ० : गरीब ठाकुर ने रज्जब को इसलिए ठहराया क्योंकि उसकी पत्नी को बहुत तेज ज्वर था। रज्जब ने उसे कहा की यह राजा का घर है शरण में आया हूँ। यह सुन के गरीब ठाकुर को उस पर दया आ गई।

3. ठाकुर ने सुबह रज्जब को क्यों निकाल दिया?

उ० : ठाकुर ने सुबह रज्जब को इसलिए निकाल दिया क्योंकि सुबह उसके घर मेहमान इकट्ठे हुए। गाँव के लोगो रज्जब और उसकी पत्नी को वहाँ देख कर तरह-तरह की बाते करेंगे।

4. रज्जब लुटने से कैसे बचा?

उ० : रज्जब को लुटने से ठाकुर ने बचाया।

5. "सब लोग अपने-अपने घर जाओ। राहगीरों को तंग मत करो"। यह वाक्य किसने और क्यों कहा?

उ० : "सब लोग अपने-अपने घर जाओ।

राहगीरों को तंग मत करो।" यह वाक्य ठाकुर ने अपने लठैतों से कहा। जब लठैत रज्जब और उसकी पत्नी को मारना चाहते थे।

रिक्त स्थान भरिए :

क, उसकी पत्नी नाक और कानों में चांदी की बालियाँ डाली थी और पाजेब पहने थी।

ख, काफी रात गए कुछ लोगों ने एक खाँसी इशारे से ठाकुर को बाहर बुलाया।

ग, गाड़ी थोड़ी दूर और चली होगी कि बैल ठिठक कर खड़े हो गए।

घ, उन लोगों में से एक ने रज्जब के सिर पर लाठी उछाली।

सही (✓) एवं गलत (x) चुनिए :-

क, रज्जब के साथ उसकी माँ थी। (x)

ख, ठाकुर ने रज्जब को एक कोठरी में शरण दे दी। (✓)

ग, ठाकुर उसे वहीं ठहरा हुआ देखकर खुश हो गया। (x)

घ, गाड़ीवान रज्जब से अधिक पैसे लेना नहीं चाहता था (x)

Scanned with CamScanner

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञा शब्दों को छाँटकर रिक्त स्थानों में लिखिए :

क, राम ईमानदार लड़का है। ईमानदार
ख, गाँधी जी विद्वान थे। विद्वान
ग, मोहन व रमेश मित्र थे। मित्र
घ, कमला अच्छा नाचती है। अच्छा

दिए गए शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए,
क, स्त्री - औरत, पत्नी ग, घृणा - नफरत
ख, मार्ग - रास्ता, पथ घ, घर - गृह, कुटिया
ड., संध्या - शाम

दिए गए शब्दों के बहुवचन शब्द लिखिए.
क, बैलगाड़ी - बैलगाड़ियां घ, पैसा - पैसे
ख, स्त्री - स्त्रीयाँ ड., टुकड़ी - टुकड़ियाँ
ग, रुपए - रुपये च, गाड़ी - गाड़ियाँ

पाठ- 3
घड़ियाँ

मौखिक

1. प्रकाश की दीदी क्यों खीझ गई थी?

उ: प्रकाश की दीदी इसलिए खीझ गई थी क्योंकि वह दीदी पर बरस पड़ा।

2. प्रकाश किस वस्तु से परेशान था?

उ: प्रकाश घंटी की ट्रिन-ट्रिन से परेशान था।

शब्द - ज्ञान

प्रयोगशाला - प्रयोग करने का इंतजार
प्रतीक्षा - इंतजार, टाइमपीस - मेज़ पर रखने की घड़ी, फौरन - जल्दी, थर्मामीटर - बुखार नापने वाला यंत्र, स्वाभाविक - स्वभाव से ही, फ़ायर - ब्रिगेड - आग बुझाने वाले, करीब - नज़दीक।

लिखित

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क, प्रकाश की नींद क्यों उचट गई थी?

उ, प्रकाश की नींद इसलिए उचट गई क्योंकि उसकी दीदी उसे सुबह उठकर

पढ़ने की शिक्षा देती थी। किस वक्त वह चुपके से घंड़ी में अलार्म लगाकर रख जाती थी। और घड़ी की ट्रिन-ट्रिन से उसकी नींद उचट जाती थी।

ख, प्रकाश सुबह से ही झुँझलाया हुआ क्यों था?

: प्रकाश सुबह से ही इसलिए झुँझलाया हुआ था क्योंकि पिताजी घर में मंदिर में घंटी बजाते, स्कूल में मलकीराम चपरासी ने घंटी बजाई, रास्ते में 'फ़ायर-ब्रिगेड घंटियो के स्वर से उसका मस्तिक सुन्न पड़ गया था।

ग, प्रकाश बुखार में घंटी-घंटी क्यों चिल्ला रहा था?

उ: प्रकाश बुखार में घंटी-घंटी इसलिए चिल्ला रहा था क्योंकि सुबह से शाम सिर्फ उसे घंटीयों की आवाज सुनाई दे रही थी।

घ, पिताजी ने प्रकाश को क्या शिक्षा दी?

उ: पिताजी ने प्रकाश को यह शिक्षा दी कि आदमी के लिए यह बहुत ज़रूरी है कि वक्त की कीमत को पहचाने। कब क्या करना चाहिए, कितनी देर में करना चाहिए, यह जानना बहुत जरूरी है। आदमी ने

अपने समय का हिसाब रखने के लिए घड़ियाँ बनाईं और समय से सजग रहने के लिए घंटी बजती है।

ङ. प्रकाश अब घंटियों से क्यों नहीं चिढ़ता था?

उ०. घंटियाँ पहले जैसी ही बजती रहीं, पर प्रकाश अब उनसे चिढ़ता नहीं, खुश होता था - यह सोचकर कि वे उसे लेट होने बचाती हैं।

रिक्त स्थान भरिए :

क, स्कूल पहुंचा तो मनकी राम चपरासी दूसरे पीरियड का घंटा बजा रहा था।

ख, घंटियों की आवाज़ों ने जैसे उसके दिमाग में पंचर कर दिया था।

ग, पिताजी ने थर्मामीटर लगाकर देखा तो बुखार चार को पार कर पाँच डिग्री को छूना चाहता था।

घ, छोटी - छोटी चिड़ियों को देखो, वे भी समय से उठती और सोती हैं।

ङ, घंटियाँ पहले जैसी ही बजती रहीं, पर प्रकाश अब उनसे चिढ़ता नहीं।

हिन्दी व्याकरण

व्यावहारिक हिंदी (व्याकरण तथा रचना)

विलोम (1-10) (Pg. no 49)

पर्यायवाची (1-15) (Pg no 53)

अनेकार्थक शब्द (1-8) (Pg no Pg no 47)

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (1-15)
(Pg no 57)

मुहावरे (1-8) (Pg no 136)

निबंध

मेरी अभिलाषा

पत्र :

प्रधानाचार्य को शुल्क मुक्ति के लिए प्रार्थना पत्र लिखे।

——— o ———

6th

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner